Annexure – 'B'

पाठ्यक्रम

हिन्दी – 'ब' (कोड सं–085)

कक्षा – नवीं

संकलित परीक्षा **II (2012 -13)**

	संकलित परीक्षा **II** (एस ए **II**) हेतु भार विभाजन (अक्टूबर–मार्च)		कुल भार %
खण्ड	**विषय वस्तु**	**अंक**	
खण्ड क	अपठित बोध	20	30%
खण्ड ख	व्याकरण	20	
खण्ड ग	पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक 36	40	
	पाठ्यपुस्तकों से मूल्यपरक प्रश्न 4		
खण्ड घ	लेखन	10	
	रचनात्मक मूल्यांकन (एफ ए –3 व एफ ए –4)		20%
	कुल भार		50%

प्रश्न पत्र में 3–5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

- **कक्षा IX के समस्त विद्यार्थियों हेतु माह जनवरी–फरवरी, 2013 में समस्या समाधान मूल्यांकन आयोजित किया जायेगा। इससे संबंधित विवरण एक पृथक परिपत्र में उपलब्ध है।**

- **समस्या समाधान मूल्यांकन की गणना कक्षा नवीं में रचनात्मक मूल्यांकन–4 के स्थान पर की जायेगी। जोकि कक्षा IX के कुल मूल्यांकन का 10% होता है। इस मूल्यांकन की गणना कक्षा– X के रचनात्मक मूल्यांकन–4 के स्थान पर भी की जायेगी। इस मूल्यांकन में प्राप्तांक/श्रेणी एक भाषा (अंग्रेजी अथवा हिंदी), गणित, विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान में कक्षा नवीं के लिए सत्र 2012–13 एवम् कक्षा दसवीं के लिए सत्र 2013–14 में प्रदर्शित होगी।**

- **विद्यार्थियों को समस्या समाधान मूल्यांकन में प्राप्त प्राप्तांक/श्रेणी में सुधार हेतु कक्षा दसवीं में विकल्प उपलब्ध रहेगा। ऐसे विद्यार्थी सत्र 2013–14 के माह जनवरी/फरवरी 2014 में कक्षा नवीं के साथ इस मूल्यांकन में पुनः सम्मिलित हो सकते है। ऐसे विद्यार्थी जो कि प्राप्तांक/श्रेणी सुधार हेतु सम्मिलित होगें उनके अंतिम प्रमाण पत्र में उपर्युक्त दोनों प्राप्तांक/श्रेणी में से सर्वोच्च प्राप्तांक/श्रेणी प्रदर्शित की जाऐगी।**

- **वे विद्यालय जिन्होंने रचनात्मक मूल्यांकन–4 से संबंधी समय सारणी तथा अन्य कार्यक्रमों का पूर्व निर्धारण कर लिया है, वह रचनात्मक मूल्यांकन–3 तथा रचनात्मक मूल्यांकन–4, दोनों में से प्राप्त उत्तम श्रेणी को रचनात्मक मूल्यांकन–3 तथा 4 (दोनो मिलाकर जिसका भार 10% होगा) के स्थान पर आगणित करेंगे।**

टिप्पणी:

1 संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा रचनात्मक परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। रचनात्मक परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग (संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत रचनात्मक मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा। इसमें बोलने, सुनने, लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित किया जा सकता है।

2 **संकलित परीक्षा I (एस ए - I) 90 अंक की होगी।** 90 अंक को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंक में परिवर्तित कर लिया जाएगा, तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा **संकलित परीक्षा II (एस ए - II)** 90 अंक की होगी व 90 अंक का मूल्यांकन के पश्चात 30 अंक मे परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

संकलित परीक्षाओं हेतु विभाजन

खण्ड	विभाग	अंक	कुल अंक
क	1. अपठित गद्यांश-बोध 2. अपठित काव्यांश बोध	2 × 5 = 5 2 × 5 = 5	20
ख	व्याकरण	20	20
ग	पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग -1 पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग-1	30 10	40
घ.	लेखन	10	10

कक्षा नवीं हिन्दी 'ब' संकलित परीक्षाओं हेतु परीक्षा विनिर्देशन 2012-13

खण्ड-क : अपठित बोध

प्रश्न संख्या 1-4 **20 अंक**

- 1. दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के)
- 2. दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के)

उपर्युक्त गद्यांश व काव्यांश का शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर चार प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न के पाँच बहुवैकल्पिक भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का एक-एक अंक होगा।

खण्ड-ख: व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न संख्या 5-9 **20 अंक**

निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे, प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा ।

खण्ड-गः पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग-1 व पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग -1

प्रश्न संख्या 10-16 **40 अंक**

प्रश्न संख्या 10 (5×1) = 5 अंक

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के निर्धारित कविताओं में से कोई दो काव्यांश दिए जाएगे तथा इन विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर बहुवैकल्पिक पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे, तथा प्रत्येक भाग का एक-एक अंक होगा। छात्रों को कोई एक काव्यांश करना होगा।

प्रश्न संख्या 11 6 अंक

पाठ्यपुस्तक स्पर्श के गद्य पाठों के आधार पर तीन लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगें। छात्रों को कोई दो प्रश्न करने होंगे। इन प्रश्नों का कुल भार छः अंक (3 + 3) होगा। ये प्रश्न छात्रों की साहित्य को पढ़कर समझ पाने की क्षमता के आकलन पर आधारित होंगे।

प्रश्न संख्या 12 5 अंक

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के निर्धारित पाठों (गद्य) पर पाँच अंक का एक निबंधात्मक प्रश्न पूछा जाएगा (विकल्प सहित)। यह प्रश्न छात्रों की हिंदी के माध्यम से अपने अनुभव को लिखकर सहज अभिव्यक्ति कर पाने की क्षमता का आकलन करने पर आधारित होगा।

प्रश्न संख्या 13 2 + 2 + 1 = (5 अंक)

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के निर्धारित पाठों (गद्य) में से दो गद्यांश दिए जाएँगे तथा इस में से छात्रों को कोई एक करना होगा। इस पर तीन या चार लघुउत्तरीय/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे । इन प्रश्नों का कुल भार पाँच अंक होगा। यह प्रश्न हिंदी गद्य के संदर्भ मं विषय तथा अर्थबोध की क्षमता का आकलन करने पर केंद्रित होंगे।

प्रश्न संख्या 14 (9 अंक)

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के काव्य खंड पाठों के आधार पर चार लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार नौ अंक होगा (3 + 3 + 3) छात्रों को कोई तीन प्रश्न करने होंगे। ये प्रश्न कविताओं के विषय, काव्य बोध, अर्थ बोध व सराहना को सरल शब्दों में अभिव्यक्त करने की क्षमता पर आधारित होंगे।

प्रश्न संख्या 15 (6 अंक)

पूरक पाठ्यपुस्तक 'संचयन' के निर्धारित पाठों में से तीन प्रश्न देकर किन्ही दो के उत्तर पूछे जाएँगें। इन प्रश्नों का कुल भार छः (3 + 3) अंक होगा। ये प्रश्न पाठ की समझ व उसकी सहज अभिव्यक्ति की क्षमता पर आधारित होंगे।

प्रश्न संख्या 16 (4 अंक)

पूरक पाठ्यपुस्तक 'संचयन' के निर्धारित पाठों में से चार अंक का मूल्यपरक प्रश्न पूछा जाएगा। ये छात्रों के चिंतन, मनन, अनुभवों व उनकी संवेदनशीलता को परखने के लिए होगा।

खण्ड -घ : लेखन

प्रश्न संख्या 17-18 **10 अंक**

प्रश्न संख्या 17 5 अंक

इस प्रश्न में संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर 80 से 100 शब्दों में तीन में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा। यह अनुच्छेद विभिन्न विषयों और संदर्भो पर छात्रों के तर्कसंगत विचार पर प्रकट करन की क्षमता को परखने के लिए होंगे ।

प्रश्न संख्या-18 5 अंक

इस प्रश्न में किन्हीं दो **अनौपचारिक** विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित होगा ।

कक्षा नवीं हिन्दी 'ब'–संकलित एवं रचनात्मक मूल्यांकन हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन

क्रम पाठ्य पुस्तक सं.		द्वितीय सत्र (अक्तूबर से मार्च)		
खण्ड क				
	अपठित बोध	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	अपठित गद्यांश			√
2	अपठित काव्यांश			√
खण्ड ख				
	व्यावहारिक व्याकरण	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	वर्ण विच्छेद (2 अंक)			√
2	उपसर्ग - प्रत्यय से शब्द निर्माण (2 अंक) (पाठों के पर आधार पर)			√
3	पर्यायवाची (2 अंक) विलोम (2 अंक) अनेकार्थी शब्द (2 अंक) वाक्यांशों के लिए एक शब्द (2 अंक) (पाठों के पर आधार पर)			√
4	वाक्य के अंग (2 अंक) सरल वाक्य (2 अंक)	√		√
5	विराम चिन्हों का प्रयोग (2 अंक)	√		√
6	मुहावरे - वाक्य प्रयोग (2 अंक) (पाठों के पर आधार पर)		√	√
	खण्ड ग			
	पठित बोध	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
	स्पर्श (गद्य)			
1	तुम कब जाओगे अतिथि	√		√
2	वैज्ञानिक चेतना के वाहक	√		√
3	कीचड़ का काव्य	√		√
4	धर्म की आड़		√	√
5	शुक्रतारे के समान		√	√
	स्पर्श (पद्य)			
1	एक फूल की चाह	√		√
2	गीत - अगीत	√		√
3	अग्निपथ		√	√
4	नए इलाके में, खुशबू रचते है हाथ		√	√
	संचयन			
1	मेरा छोटा सा निजी पुस्तकालय	√		√

2	हामिद खां		√	√
3	दिए जल उठे		√	√
खण्ड घ				
	लेखन	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	पत्र लेखन	√		√
2	अनुच्छेद लेखन		√	√

पुस्तकें

1. पाठ्य पुस्तक स्पर्श भाग -1
2. पूरक पुस्तक संचयन भाग -1

टिप्पणी:

1. रचनात्मक मूल्यांकन का अभिप्राय अधिगम के मूल्यांकन से है। इसलिए विद्यालय उपर्युक्त विभाजन का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकते हैं।

2. रचनात्मक मूल्यांकन से संबंधित सभी कार्यकलाप जैसे विभिन्न प्रकार के शैक्षिक खेल, पहेली, प्रतियोगिता, परियोजना (Project), भूमिका निर्वहन (Roleplay), कहानी लेखन, नाट्य रचनांतरण (Dramatisation), आदि कक्षा में अथवा विद्यालय में करवाये जाने वाले कार्यकलाप हैं। यदि कोई ऐसा कार्यकलाप है जिसमें विद्यालय से बाहर जाकर कार्य करने की आवश्यकता पड़ती है तो ऐसी स्थिति में यह कार्य शिक्षक के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में होने चाहिए।

भार विभाजन

हिन्दी – 'ब' (कोड सं–085)
कक्षा – नवीं
संकलित परीक्षा II (2012 -13)

खण्ड	विभाग	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक
क.	**अपठित बोध**				
	1. दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्द)	बहुवैकल्पिक	5 5	1×5=5 1×5=5	10
	2. दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्द)	बहुवैकल्पिक	5 5	1×5=5 1×5=5	10
					20
ख.	**व्यावहारिक व्याकरण**				
	वर्ण विच्छेद	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	2
	उपसर्ग – प्रत्यय से शब्द निर्माण (पाठों के पर आधार पर)	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	2
	पर्यायवाची (पाठों के पर आधार पर)	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	8
	विलोम	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	
	अनेकार्थी शब्द	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	
	वाक्यांशों के लिए एक शब्द	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	
	वाक्य के अंग	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	4
	सरल वाक्य	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	
	विराम चिन्हों का प्रयोग	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	2
	मुहावरे – वाक्य प्रयोग (पाठों के पर आधार पर)	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	2
					20
ग.	**पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक**				
	पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग – 1				
	पठित काव्यांश (दो में से एक)	बहुवैकल्पिक	5	1×5=5	5
	पाठ के आधार पर लघूत्तरीय	लघूत्तरीय–।।	2	3×2=6	6

	प्रश्न (गद्य) (तीन में से दो)				
	पाठ के आधार पर निबन्धात्मक प्रश्न (दो में से एक)	निबन्धात्मक-।।	1	5×1=5	5
	पठित गद्यांश पर आधारित लघूत्तरीय अतिलघूत्तरीय प्रश्न	लघूत्तरीय-।	2	2×2=4	5
		अतिलघुउत्तरीय	1	1×1=1	
	पाठ कविताओं के आधार पर तीन लघूत्तरीय प्रश्न (चार में से तीन)	लघूत्तरीय-।।	3	3×3=9	9
					30
	पाठ्यपुस्तक संचयन भाग - 1				
	पाठ के आधार पर दो लघूत्तरीय प्रश्न (तीन में से दो)	लघूत्तरीय-।।	2	3×2=6	6
	मूल्यपरक प्रश्न	निबंधात्मक	1	4×1=4	4
					10
घ.	**लेखन**				
	80 से 100 शब्दों में तीन में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद	निबंधात्मक-।।	1	5×1=5	5
	अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र	निबंधात्मक-।	1	5×1=5	5
					10
	कुल अंक				**90**

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

रुपरेखा

प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न के लिए अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
बहुवैकल्पिक प्रश्न	1	25	25
अति लघुउत्तरीय प्रश्न	1	21	21
लघुउत्तरीय प्रश्न	2	2	4
लघुउत्तरीय प्रश्न	3	7	21
निबंधात्मक प्रश्न-1 *** मूल्याधारित प्रश्न**	4	1	4
निबंधात्मक प्रश्न-2	5	3	15
		59	90

नमूना प्रश्न

हिन्दी – 'ब' (कोड सं-085)

कक्षा – नवीं

संकलित परीक्षा II (2012 -13)

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1 x 5 = 5 अंक

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए।

आज हमारे वर्तमान युग की ऐसी उलझन भरी, दुस्साध्य और भयानक समस्या उपस्थित है, जिससे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि क्या हम सदा के लिए युद्ध बंद करने की घोषणा कर सकते हैं या इसके विपरीत हम मनुष्य जाति को समूल नष्ट करना चाहते हैं? यदि हम सदैव के लिए युद्ध से विमुख हो जाते हैं तो हम ऐसे सुखी समाज का निर्माण कर सकते हैं जिससे ज्ञान व विज्ञान की सतत प्रगति हो रही है, कलाएँ अपनी सतरंगी आभा बिखेर रही हैं और मानव सभ्यता उत्तम मानवीय मूल्यों के विकास में निरंतर रत है। क्या इस स्वर्गिक आनंद के बदले विनाशक मृत्यु को हम इसलिए चाहते हैं क्योंकि हम अपने झगड़े समाप्त नहीं कर सकते। हम आपसे मनुष्य होने के नाते मनुष्यता के नाम पर यह प्रार्थना करते हैं कि आप सब कुछ भ्लकर केवल अपनी मानवता को याद रखें। यदि आप यह कर सकते हैं तो निश्चय ही एक नए व महान भविष्य के लिए रास्ता खुला है किंतु यदि आपको यह मंजूर नहीं है तो आपके सामने मानव मात्र के महाविनाश का संकट उपस्थित है।

(1) आज हमारे सम्मुख कौन-सी भयानक समस्या उपस्थित है? 1

(क) युग की उलझन (ख) दुस्साध्य समस्या

(ग) युद्ध की समस्या (घ) मनुष्य जाति की समस्या

(2) यदि युद्ध बंद करने की घोषणा नहीं करते तो इसके विपरीत परिणाम क्या होंगे? 1

(क) वर्तमान युग की भयानक समस्या (ख) युद्ध से विमुखता

(ग) मनुष्य जाति का समूल नाश (घ) दुस्साध्य समस्या

(3) युद्ध से विमुख होकर कैसे समाज का निर्माण संभव है? 1

(क) समूल नाशवान (ख) दुस्साध्य

(ग) सुखी (घ) उलझन भरा

(4) मनुष्यता के नाम पर लेखक क्या प्रार्थना कर रहे हैं? 1

(क) मानवता को याद रखने की (ख) स्वर्गिक आनंद की

(ग) विनाशक मृत्यु की (घ) झगड़े समाप्त न करने की

(5) 'एक नए व महान भविष्य के लिए रास्ता खुला है; यह मंजूर न होने पर क्या होगा? 1

(क) मानवीय मूल्यों का विकास (ख) स्वर्गिक आनन्द

(ग) सुखी समाज का निर्माण (घ) मानव मात्र का महाविनाश

उत्तर संकेत

(1) (ग) युद्ध की समस्या

(2) (ग) मनुष्य जाति का समूल नाश

(3) (ग) सुखी

(4) (क) मानवता को याद रखने की

(5) (घ) मानवमात्र का महाविनाश

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1 x 5 = 5 अंक

अपठित काव्यांश

प्रश्न-1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से चुनिए-

अनगिनत आए गए-इस
राह से उनका पता क्या,
पर गए कुछ लोग इस पर
छोड़ पैरों की निशानी।

यह निशानी मूक होकर
भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ मंथी
पंथ का अनुमान कर ले।

पूर्व चलने के बटोही
बाट की पहचान कर ले।

यह बुरा है या कि अच्छा
व्यर्थ दिन इस पर बिताना,
ज्ब असंभव, छोड़ यह पथ
दूसरे पर प्ग बढ़ाना।

तू इसे अच्छा समझ
यात्रा सरल इससे बनेगी,
सोच मत केवल तुझे ही
यह पड़ा मन में बिठाना।

हर सफल पंथी यही विश्वास ले इस पर बढ़ा है,
तू उसी पर आज अपने
चित्त का अवधान कर ले।

पूर्व चलने के बटोही
बाट की पहचान कर ले।

है अनिश्चित किस जगह पर
सरित, गिरि, गह्वर मिलेंगे,
है अनिश्चित किस जगह पर
बाग, वन सुंदर मिलेंगे।

पूर्व चलने के बटोही
बाट की पहचान कर ले।

(1) काव्यांश के अनुसार मार्ग की पहचान करने के लिए क्या आवश्यक है? 1

(क) औरों की जबानी हाल सुनना (ख) पुस्तकों / किताओं में पढ़ना
(ग) स्वयं उस पर कदम बढ़ाना (घ) लोगों के पीछे-पीछे चलना

(2) उपर्युक्त पद्यांश में 'सरित, गिरि, गह्वर' किसके प्रतीक हैं? 1

(क) सुख-सुविधा के (ख) विघ्न बाधाओं के
(ग) प्रकृति के (घ) साधु-संतों के

(3) यदि लक्ष्य प्राप्ति असंभव लगे, तो मनुष्य को क्या करना चाहिए? 1

(क) दूसरे की सहायता लेना

(ख) कुछ देर विश्राम

(ग) असफलता मिलने प्र भी निरंतर नए लक्ष्य की ओर प्रयत्नरत रहना चाहिए।

(घ) निराश हो बैठ जाना चाहिए।

(4) कविनुसार लोग (कुछ लोग) पथ पर क्या छोड़कर गए हैं? 1

(क) धन-संपत्ति (ख) पैरों की निशानी

(ग) यादें (घ) दुख

(5) व्यर्थ दिन इस पर बिताना का आशय है- 1

(क) समय केवल अच्छे के लिए बर्बाद करना चाहिए।

(ख) अच्छे बुरे के चक्कर में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।

(ग) बुराई का ध्यान रखना चाहिए।

(घ) केवल अच्छे बुरे के बारे में सोचते रहना चाहिए।

उत्तरमाला

(1) (ग) स्वयं उस पर कदम बढ़ाना

(2) (ख) विघ्न बाधाओं के

(3) (ग) असफलता मिलने पर भी निरंतर नए नक्ष्य की ओर प्रयत्नरत रहना चाहिए।

(4) (ख) पैरों की निशानी

(5) (ख) अच्छे बुरे के चक्कर में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।

<u>बहुवैकल्पिक प्रश्न</u>

1 x 5 = 5 अंक

पठित काव्यांश

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए-

गाकर गीत विरह के तटिनी
बेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"
गा-गाकर बह रही निर्झरी
पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

(1) उपर्युक्त पद्यांश में 'तटिनी' कहा गया गया है- 1

(क) तट को (ख) नदी को

(ग) किनारे को (घ) समुद्र को

(2) 'किनारे' पर कौन कुछ सोचता हुआ खड़ा है? 1

(क) इन्सान (ख) कमल

(ग) गुलाब (घ) विधाता

(3) गुलाब जग को क्या सुनाना चाहता है? 1

(क) अपने पतझड़ के सपनों का गीत (ख) अपने वसंत का गीत

(ग) अपने सौंदर्य का गीत (घ) अपने जीवन-मरण का गीत

(4) उपलों से कुछ कहने से का अभिप्राय क्या निकलता है? 1

(क) दिल बोझिल हो जाताह है (ख) उपले ज्ञानी हो जाते हैं

(ग) दिल हल्का हो जाता है (घ) अपना रहस्य दूसरों को बताना

(5) उपर्युक्त काव्यांश के रचयिता हैं- 1

(क) महादेवी वर्मा (ख) मैथिलीशरण गुप्त

(ग) सुमित्रानन्दन 'पंत' (घ) रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर माला

(1) (ख) नदी को

(2) (ग) गुलाब

(3) (क) अपने पतझड़ के सपनों का गीत

(4) (ग) दिल हल्का हो जाता है

(5) (घ) रामधारी सिंह दिनकर

<u>बहुवैकल्पिक प्रश्न</u>

1 x 5 = 5 अंक

अपठित काव्यांश

प्रश्न निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए।

रात यों कहने लगा मुझसे गगन का चाँद
आदमी भी क्या अनोखा जीव होता है
उलझने अपनी बनाकर आप ही फँसता है
और फिर बेचैन हो जगता न सोता है।
जानता है तू कि मैं कितना पुराना हूँ
मैं चुका हूँ देख मनु को जनमते मरते
और लाखों बार तुझ-से पागलों को भी
चाँदनी में बैठ स्वप्नों पर सही करते
आदमी का स्वप्न है वह बुलबुला जाल का
आज बनता और कल फिर टूट जाता है;
किंतु, तो भी धन्य, ठहरा आदमी ही तो!
बुलबलों से खेलता, कविता बनाता है।

(1) चाँद स्वयं के बारे में क्या कहता है? 1

(क) वह सपने दिखाता है (ख) वह बुलबुले के समान है

(ग) वह बहुत पुराना है (घ) वह चाँदनी बिखेरता है

(2) मनुष्य का स्वप्न कैसा है? 1

(क) पानी के बुलबुले जैसा (ख) चांदनी के जैसा

(ग) चाँद के समान (घ) मनुष्य की कल्पना

(3) चाँद ने मनुष्य का तिरस्कार क्यों किया? 1

(क) सपने टूटने के कारण (ख) कर्म न करने के कारण

(ग) सपनों में खोए रहने के कारण (घ) अभिमान के कारण

(4) कवि ने आदमी को धन्य क्यों कहा है? 1

(क) कल्पनाओं में खोया रहता है (ख) बेचैन रहता है

(ग) स्वप्न टूटने पर निराश होता है (घ) स्वप्न टूटने पर हिम्मत नहीं हारता

(5) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए - 1

(क) मनुष्य और स्वप्न (ख) स्वप्न और कर्म

(ग) चाँद और मानव (घ) स्वप्न और यथार्थ

उत्तरमाला

(1) (ग) वह बहुत पुराना है।

(2) (क) पानी के बुलबुले जैसा

(3) (ख) कर्म न करने के कारण

(4) (घ) स्वप्न टूटने पर हिम्मत नहीं हारता

(5) (ग) चाँद और मानव

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1 अंक वाले प्रश्न

1. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों व प्रयुक्त उपसर्गों को अलग-अलग करके लिखिए। 1+1

दुर्भाग्य, प्रसिद्ध

2. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए। 1+1

पार्थिवता, दक्षिणी

3. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए। 1+1

मनुष्य, कृपण

उत्तर संकेत

1 दुर+भाग्य
प्र+सिद्ध

2 पार्थिव+ता
दक्षिण+ई

3 म्+अ+न्+उ+ष्+य्+अ
क्+ऋ+प्+अ+ण्+अ

लघूत्तरात्मक प्रश्न - 1

2 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न-1 'कीचड़ का काव्य' नामक पाठ में किस विषय का प्रतिपादन किया गया है।

प्रश्न-2 लेखक अतिथि को कैसी विदाई देना चाहता था?

उत्तर संकेत

1. काका कालेलकर ने कीचड़ की उपयोगिता का इस पाठ में काव्यात्मक शैली में बखान किया है। काका कहते हैं कि हमें कीचड़ के गंदेपन पर नहीं अपितु उसकी उपयोगिता पर ध्यान देना चाहिए।
2. लेखक अतिथि को भावभीनी विदाई देना चाहता था, जिसमें वह उसे छोड़ने स्टेशन तक जाता।

लघूत्तरात्मक प्रश्न – 2

3 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न–1 'अग्निपथ' कविता में निहित मूलभाव को स्पष्ट करें।

प्रश्न–2 मनुष्य को प्रकृति किस रूप में आंदोलित करती है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर संकेत

1. कवि ने संघर्षमय जीवन को 'अग्निपथ' कहते हुए मनुष्य को यह संदेश दिया है कि राह में सुख रूपी छाँह की चाह न कर अपनी मंज़िल की ओर कर्मठतापूर्वक बिना थकान महसूस किए बढ़ते ही जाना चाहिए।
2. प्राकृतिक दृश्य हमारी कोमल भावनाओं को जागृत करते हैं। प्रकृति अपने सौंदर्य से हमारी अनुभूतियों को स्पंदित करती है।

निबन्धात्मक प्रश्न – 2

5 अंक

प्रश्न–1 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

(क) प्रकृति की रक्षा, मानव की सुरक्षा

- मनुष्य प्रकृति का अंग
- प्रकृति से खिलवाड़, बढ़ता प्रदुषण
- प्रकृति की रक्षा मानव जाति का कर्त्तव्य

(ख) मधुर वाणी : वशीकरण मंत्र

- ईश्वर का दिया वरदान
- कटुवचनों का प्रभाव
- मधुर वचनों का लाभ–उदाहरण सहित

(ग) स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम

- शरीर और मन की स्वस्थता
- व्यायाम, आसन, प्राणायाम
- खान–पान और रहन–सहन

प्रश्न–2 रक्षाबंधन के अवसर पर बड़ी बहन द्वारा भेजी गई राखी के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए तथा मन की भावनाओं को व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

मित्र के यहाँ गृह–प्रवेश के मुहूर्त में न पहुँच पाने के लिए क्षमायाचना करते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर संकेत

विद्यार्थी अपने अनुभव एवं अभ्यास के आधार पर उत्तर देंगे।

मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न- हामिद खाँ पाठ के प्रकाश में हिन्दू व मुसलमानों के परस्पर मधुर संबंधों की आवश्यकता के विषय में अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर संकेत-

1. जिस प्रकार एस. के. पोट्टेकाट की निरपेक्ष मानवीय भावना तक्षशिला निवासी हामिद खाँ के हृदय को स्पर्श करती है और उन दोनों में परस्पर सौहार्दपूर्ण आत्मीय संबंध स्थापित हो जाता है यदि उसी प्रकार भारत व उसके पड़ोसी देश में हो जाए तो यह दोनों देशों को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने हेतु अत्यन्त महत्वपूण होगा।
2. दोनों देशों के रक्षा बजट पर व्यय किए जाने वाले अपार धन का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास तथा भोजन आदि अन्य बुनियादी ज़रूरतें पूरी करने हेतु उपयोग किया जा सकता है।
3. यदि भारतवर्ष के सभी राज्यों में मालाबार जैसी स्थिति हो जाती है तथा देश के किसी भी भाग में साम्प्रदायिक दंगे आदि न भड़कें तो यह हमारे देश की अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि ला सकता है।
4. किसी पर धौंस जमाकर या मज़बूर करके हम प्यार मोल नहीं ले सकते पाठ में वर्णित यह तथ्य यदि सभी वर्ग स्वीकार कर सकें तो हिन्दू और मुसलमान दोनों के हृदयों में धड़कती सहृदता एवं एकता की भावना को और अधिक दृढ़ता मिल सकती है तथा वे मिल-जुल कर समाज के उत्थान के लिए कार्य कर सकते हैं।